प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

PEOPLE OF RAJASTHAN HAVE PAVED THE WAY FOR PROSPERITY BY STRENGTHENING CULTURAL, MORAL AND HISTORICAL VALUES: LOK SABHA SPEAKER/राजस्थान के लोगों ने सांस्कृतिक, नैतिक, ऐतिहासिक, पारंपरिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हुए समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया है: लोक सभा अध्यक्ष

…

MARWARI COMMUNITY HAS CONTRIBUTED WITH HEART, MIND AND WEALTH FOR UPLIFTMENT OF CULTURE, LITERATURE AND NATIONALISM: LOK SABHA SPEAKER/मारवाड़ी समाज ने संस्कृति, साहित्य और राष्ट्रवाद के उत्थान में तन-मन-धन से सहयोग दिया है:लोक सभा अध्यक्ष

…

BRAVERY, DEVOTION AND POWER SHAPE IDENTITY OF RAJASTHAN: LOK SABHA SPEAKER/भक्ति और शक्ति का संगम राजस्थान की पहचान है:लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES RAJASTHAN PRAVASI PRABUDDHAJAN SAMMELAN/लोक सभा अध्यक्ष राजस्थान प्रवासी प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल हुए

…

Guwahati 30 July 2023: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed intellectuals at the Rajasthan Pravasi Prabuddhajan Sammelan in Guwahati, today.

Speaking on this occasion, Shri Birla observed that bravery, devotion and power shape the identity of Rajasthan. Saluting Maharana Pratap, Maharaja Surajmal, Bhamashah, Pannadhay, Meerabai, Shri Birla said that the message of courage, bravery, sacrifice and austerity given by them reflect the culture and heritage of Rajasthan. He further said that Rajasthan has always been committed towards the defense of the nation, which has been inspiring the country.

Paying respect to Lord Mahavir, Shri Birla opined that he not only paved the way for salvation but also gave a new, simple and natural form to Sanatan Dharma. The Lord re-established values like love, forgiveness, kindness, compassion and non-violence. India is a country of sages, saints and sages and Jain society is a living proof of this, highlighted Shri Birla.

Referring to freedom struggle of the country, Lok Sabha Speaker recalled that the Jain community had played an important role in protecting India's independence and national identity. He noted that it is a well-known and historical fact that the Jain community worked hard to build an independent India, whose direct example is before all of us.

On the contribution of the migrant Rajasthani community in the country's prosperity, Shri Birla invited attention to the fact that the people of Rajasthan are leading in all fields. He further said that the people of Marwari community are always working with social harmony to take the society forward. Expressing happiness, Shri Birla said that the people of Rajasthan have paved the way for prosperity with cultural, moral, historical, traditional values and have made significant contribution in business, education, medical and religious works in the society.

Extending Chaturmas greetings to all, Shri Birla said that Chaturmas provides a spiritual atmosphere and an opportunity to spread good thoughts. He added that during Chaturmas, the gurus show the path of truth, non-violence and self-control to the religious people and everyone including the Jain community gets the benefit of their discourse.

Highlighting contribution of Rajasthani society in the promotion of the nation's economy and culture, Shri Birla said that the people of Rajasthan maintain their culture everywhere in the country and abroad. He further said that the community has distinguished itself by its entrepreneurship and philanthropy. Regarding the cordial relations between the people of Rajasthan and Assam, Shri Birla said that the concept of national unity and ‘Ek Bharat, Shreshtha Bharat’ connects Assam with Rajasthan. He further said that both the states are known for tourism, sports,

food and culture and heritage. The people of Rajasthan have played a significant role in the development of the culture and tradition of Assam and have contributed to art and culture, Assamese literature as well as business.

Further mentioning the contribution of the entrepreneurs of Rajasthan in the development of the country, Shri Birla said that since independence till now, the people of Rajasthan have contributed significantly in the economic progress of India. He further said that the people of Rajasthan are also at the forefront of social service.

गुवाहाटी 30 जुलाई 2023: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला अपने पूर्वोत्तर प्रवास के दूसरे दिन राजस्थान प्रवासी प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल हुए।

इस अवसर पर, श्री बिरला ने कहा कि भक्ति और शक्ति का संगम राजस्थान की पहचान है। महाराणा प्रताप , महाराजा सूरजमल, भामाशाह, पन्नाधाय, मीराबाई को नमन करते हुए श्री बिरला ने कहा कि उन्होंने जिस साहस , वीरता, त्याग, तपस्या और बलिदान का परिचय दिया है, वह राजस्थान की धरोहर है। उन्होंने आगे कहा कि राजस्थान सदैव राष्ट्र की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्ध रहा है , जिससे देश को प्रेरणा मिलती रही है।

भगवान महावीर को नमन करते हुए श्री बिरला ने कहा कि उन्होंने समाज के लिए न केवल मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया बल्कि सनातन धर्म को एक नया, सरल और सहज स्वरुप प्रदान किया। उन्होंने प्रेम, क्षमा, दया, करुणा और अहिंसा जैसे मूल्यों को पुनः स्थापित किया।श्री बिरला ने आगे कहा कि भारत ऋषियों , संतो और मुनियों का देश है और जैन समाज इसका जीता जागता प्रमाण है।

देश के स्वाधीनता संग्राम का उल्लेख करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत की आजादी और राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा में जैन समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित और ऐतिहासिक तथ्य है कि स्वतंत्र भारत के निर्माण में जैन समाज ने कड़ी मेहनत की है , जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण देशवासियों के सामने है।

देश की समृद्धि में प्रवासी राजस्थानी समाज के योगदान के बारे में श्री बिरला ने कहा कि राजस्थान के लोग सभी क्षेत्रों में अग्रसर है। उन्होंने आगे कहा कि मारवाड़ी समुदाय के लोग सदैव सामाजिक समरसता से कार्य करते हुए समाज को आगे ले जाने का काम कर रहे हैं। श्री बिरला ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान के लोगों ने सांस्कृतिक, नैतिक, ऐतिहासिक, पारंपरिक मूल्यों से समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया है और समाज में व्यापार , शिक्षा, चिकित्सा व धार्मिक कार्यों में सम्पूर्ण योगदान दिया है।

सभी को चातुर्मास की शुभकामनाएं देते हुए श्री बिरला ने कहा कि चातुर्मास में आध्यात्मिक वातावरण और सुविचारों के प्रचार-प्रसार का अवसर मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि चातुर्मास के दौरान गुरुजन धर्मावलंबियों को सत्य , अहिंसा और संयम का मार्ग बताते हैं और उनके प्रवचन का लाभ जैन समाज सहित सभी को मिलता है l उन्होंने यह भी कहा कि मारवाड़ी समाज ने संस्कृति, साहित्य और राष्टवाद के उत्थान में तन-मन-धन से पूरा सहयोग दिया है।

राष्ट्र की अर्थव्यवस्था और संस्कृति के प्रचार-प्रसार में राजस्थानी समाज के योगदान का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि राजस्थान के लोग देश-विदेश में हर जगह अपनी संस्कृति को बनाए रखते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अपनी उद्यमशीलता और दानशीलता से इस समुदाय ने विशिष्ट पहचान बनाई है। राजस्थान और असम के लोगों के परस्पर सौहार्दपूर्ण संबंधों के विषय में श्री बिरला ने कहा कि राष्ट्रीय एकता और एक भारत , श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना असम को राजस्थान के साथ जोड़ती है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों राज्य पर्यटन , खेल, भोजन और संस्कृति और विरासत के लिए जाने जाते हैं। राजस्थान के लोगों ने असम की संस्कृति और परंपरा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा कला और संस्कृति, असमिया साहित्य के साथ-साथ व्यवसाय में भी योगदान दिया है।

राजस्थान के उद्यमियों के देश के विकास में योगदान का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि आजादी से लेकर अब तक राजस्थान के लोगों ने भारत की आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने आगे कहा कि राजस्थान के लोग समाज सेवा कार्यों में भी सबसे आगे है और उन्होंने जन सेवा और जन कल्याण के लिए कई प्रकल्प किए हैं।